NEWSLETTER

शनिवार, 24 अगस्त 2024 | वॉल्यूम - 112

INTERVIEW | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

कपास का चुनौतीपूर्ण भविष्य और पॉलिस्टर फाइबर की ओर शिफ्ट की वास्तविकता, आंध्र प्रदेश के वारंगल में कपास जिनर श्री नंदकिशोर लाहोटी जी से विशेष बातचीत:

GOLD :71770
SILVER : 85175
CRUDE OIL : 6288

कपास का चुनौतीपूर्ण भविष्य और पॉलिस्टर फाइबर की ओर शिफ्ट की वास्तविकता, आंध्र प्रदेश के वारंगल में कपास जिनर श्री नंदकिशोर लाहोटी जी से विशेष बातचीत:

नंदकिशोर लाहोटी

जिन्नर

वारंगल, आंध्र प्रदेश के अनुभवी जिनर, श्री नंदकिशोर लाहोटी, जो पिछले 35 वर्षों से कपास जिनिंग का संचालन कर रहे हैं, हाल ही में कपास की उत्पादकता और बाजार की चुनौतियों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने बताया कि 2023-24 के सीजन में वारंगल में 90% कपास CCI को बेचना पड़ा, जबकि उक्रेन और रूस के युद्ध ने निर्यात में भी कठिनाइयां उत्पन्न कीं।

लाहोटी जी ने चिंता जताई कि सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि से किसानों को ज्यादा फायदा नहीं होगा जब तक कि खाद्य, बीज, और जल संसाधनों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने जोर देकर कहा कि कपास की बीज रिसर्च की आवश्यकता है, जिससे कपास की पैदावार और गुणवत्ता में सुधार हो सके।

उन्होंने अमेरिका और चीन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां प्रति एकड़ कपास की उत्पादकता 20-25 क्विंटल होती है, जबकि भारत में यह 7-8 क्विंटल पर सीमित है, जो कि बहुत कम है। अगर कपास के बीज पर पर्याप्त परीक्षण नहीं हुए, तो कपास का भविष्य कठिनाइयों से भरा होगा।

पॉलिस्टर फाइबर की ओर बढ़ते झुकाव के बारे में उन्होंने बताया कि लागत में कमी, उच्च टिकाऊपन, और अधिक उपलब्धता के कारण फैशन और वस्त्र उद्योग में पॉलिस्टर की मांग बढ़ रही है। यह परिवर्तन कपास किसानों और कपड़ा उद्योग के लिए गंभीर चुनौतियां ला सकता है। उन्होंने कहा कि कपास की मांग में कमी से किसानों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जबकि कपड़ा उद्योग को भी अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं में बदलाव करने की आवश्यकता हो सकती है।

कपास से पॉलिस्टर की ओर शिफ्ट के कारण :

लागत में कमी : पॉलिस्टर फाइबर, कपास की तुलना में सस्ता है, जिससे फैशन और वस्त्र उद्योग में इसकी मांग बढ़ रही है।

उच्च टिकाऊपन : पॉलिस्टर फाइबर अधिक टिकाऊ होता है और लंबे समय तक चलता है। इसके अलावा, यह झुर्रियों से मुक्त रहता है और जल्दी सूखता है।

उपलब्धता : कपास की खेती में मौसम, भूमि और पानी की जरूरतें होती हैं, जबकि पॉलिस्टर का उत्पादन कृत्रिम रूप से किया जाता है, जिससे इसकी उपलब्धता अधिक स्थिर रहती है।

पर्यावरणीय प्रभाव : हालांकि पॉलिस्टर फाइबर के उत्पादन में कार्बन फुटप्रिंट अधिक होता है, कपास की खेती में भी बहुत अधिक पानी और कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। कुछ मामलों में, उपभोक्ता कपास के बजाय पॉलिस्टर को चुन रहे हैं, खासकर जब इसे रीसाइक्लिंग के माध्यम से उत्पादित किया जाता है।

कपास से पॉलिस्टर की ओर शिफ्ट को एक जटिल प्रक्रिया बताते हुए उन्होंने इस बदलाव के सामाजिक, आर्थिक, और पर्यावरणीय पहलुओं को समझने की जरूरत पर जोर दिया।

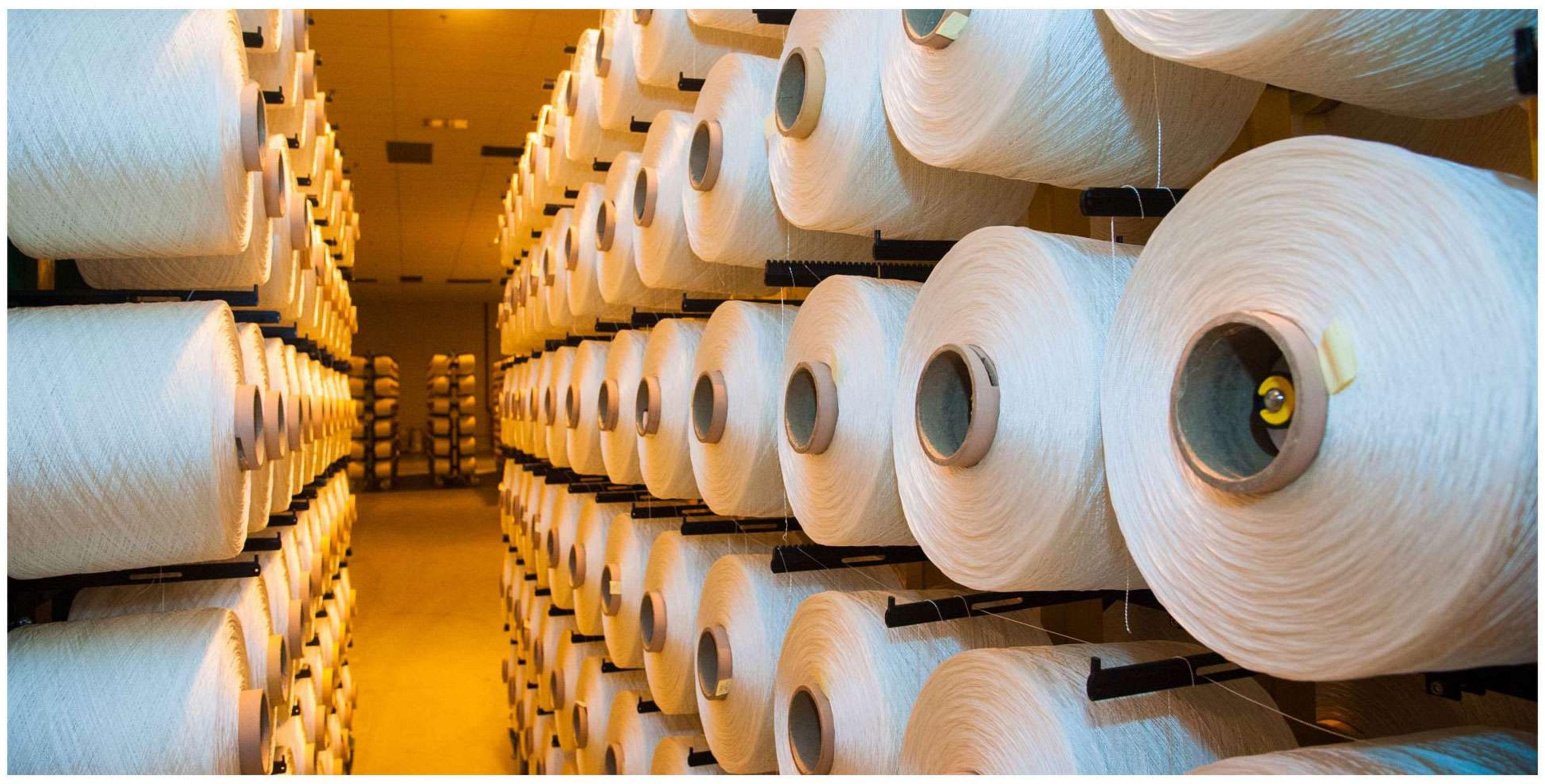

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 24.08.2024			
ICE COTTON			
MONTH	16.08.24	23.08.24	WEEKLY CHANGE
DEC	67.24	70.91	3.67
MAR'25	68.74	72.28	3.54
MAY	69.99	73.38	3.39
MCX (COTTON)			
SEP	56850	57700	850
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1590	1597	7
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEPT	3274	3345	71
DEC	2986	2919	-67
SMART INFO SERVICE	CALL : 91116 77771		
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.94	83.89	-0.05
PAK (Pakistani Rupee)	278.133	278.61	0.477
CNY (Chinese yuan)	7.16437	7.12448	-0.03989
BRAZIL (Real)	5.47339	5.48617	0.01278
AUSTRALIAN Dollar	1.49927	1.47209	-0.02718
MALAYSIAN RINGGITS	4.40378	4.37589	-0.02789
COTLOOK "A" INDEX	78.45	80.75	2.3
BRAZIL COTTON INDEX	73.3	72.48	-0.82
USDA SPOT RATE	59.96	64.90	4.94
MCX SPOT RATE	56680	57180	500
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	17800	300
GOLD ($)	2537.80	2546.30	8.5
SILVER ($)	28.849	29.820	0.971
CRUDE ($)	76.65	74.83	-1.82

इस सप्ताह, इंटरनेशनल मार्केट मे मिलाजुला वाला माहौल रहा।

इंटरकांटिनेंटल कॉटन एक्सचेंज के भाव दिसंबर 3.67 सेंट, मार्च 3.54 एवं मई 3.39 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार MCX पर कॉटन के दाम में सितम्बर माह में 850 रुपऐ की बढ़त देखने को मिली।
NCDEX पर कपास के भाव 7 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव देखे तो सितम्बर माह में 71 रुपए तक बढ़त देखीं गई, एवं दिसंबर माह में 67 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई, USDA स्पॉट रेट 4.94 सेंट बढ़ा, वही MCX स्पॉट रेट में 500 रुपए प्रति कैंडी भाव में बढ़त देखने को मिली।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91116 77771

STATE	19.08.24	20.08.24	21.08.24	22.08.24	23.08.24	24.08.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	50	50	50	-	-	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	50	50	50	-	-	-
GUJRAT	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	-
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	3,000	3,000	2,800	2,500	2,300	2,300
CENTRAL ZONE	5,000	5,000	4,800	4,500	4,300	2,300
KARNATAKA	1,200	2,000	1,400	1,600	1,200	1,500
ANDHRA PRADESH	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
TELANGANA	100	100	100	100	100	100
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,300	3,100	2,500	2,700	2,300	2,600
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	7,350	8,150	7,350	7,200	6,600	4,900

ARRIVAL IN 170 Kg.

red eco® FIBERS PVT.LTD.

+91 9879577099

sales@redecofibers.com

Murlidhar World Trade Pvt Ltd
Group of Companies

red eco FIBERS PVT.LTD. | Angel Fibers Limited | HARIPRIYA SPINNING MILL PVT. LTD.

Rajkot, Gujarat (Bharat)

हरियाणा में कपास की खरीद 1 अक्टूबर से शुरू होगी, इस सप्ताह CCI की रिकॉर्ड बिक्री होगी

हरियाणा में खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए कपास की खरीद 1 अक्टूबर, 2024 से शुरू होने वाली है। खरीद भारत सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए भारतीय कपास निगम (CCI) के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर की जाएगी। यह ऐसे सप्ताह में हुआ है, जब CCI ने असाधारण रूप से उच्च बिक्री दर्ज की, जो नए खरीद सत्र से ठीक पहले मजबूत बाजार गतिविधि का संकेत है।

आगामी खरीद की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डॉ. वुंडरू ने इस प्रक्रिया के दौरान भारतीय कपास निगम को पूर्ण समर्थन देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि CCI और हरियाणा सरकार दोनों यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं कि किसान बिना किसी समस्या के अपनी फसल बेच सकें।

कपास के लिए 20 मंडियां और खरीद केंद्र स्थापित

बैठक में यह भी बताया गया कि हरियाणा में कपास की दो किस्में पैदा होती हैं: मीडियम लॉन्ग स्टेपल (26.5-27.0 मिमी) और लॉन्ग स्टेपल (27.5-28.5 मिमी), दोनों की खरीद की जाएगी। इस प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए, राज्य भर में 20 मंडियां और खरीद केंद्र स्थापित किए गए हैं। ये केंद्र निम्नलिखित जिलों में स्थित हैं: सिवानी, ढिगावा और भिवानी (भिवानी जिला); चरखी दादरी (चरखी दादरी जिला); भट्टू, भूना और फतेहाबाद (फतेहाबाद जिला); आदमपुर, बरवाला, हांसी, हिसार और उकलाना (हिसार जिला); उचाना (जींद जिला); कलायत (कैथल जिला); नारनौल (महेंद्रगढ़ जिला); मेहम (रोहतक जिला); और ऐलनाबाद, कालांवाली और सिरसा (सिरसा जिला)।

अन्य फसलों की एमएसपी पर खरीद

बैठक में एमएसपी पर अन्य फसलों की खरीद पर भी चर्चा की गई। हरियाणा सरकार ने सोयाबीन, मक्का और ज्वार की खरीद के लिए हैफेड को प्राथमिक एजेंसी के रूप में नामित किया है, जिसमें से 100% फसलों का प्रबंधन हैफेड द्वारा किया जाएगा। अन्य फसलों के लिए, हैफेड और अन्य नामित एजेंसियों के बीच 60:40 के अनुपात में खरीद की जाएगी।

बैठक में कृषि विभाग के निदेशक श्री राजनारायण कौशिक और खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक श्री मुकुल कुमार सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय कपास निगम के प्रतिनिधियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- **मंत्री एस. सविता ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार जल्द ही उन्नत कपड़ा नीति पेश करेगी**
  आंध्र प्रदेश की पिछड़ा वर्ग कल्याण और हथकरघा एवं कपड़ा मंत्री एस. सविता ने घोषणा की कि राज्य सरकार जल्द ही कपड़ा, परिधान और परिधान उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई कपड़ा नीति पेश करेगी। सोमवार को सचिवालय से वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से निवेशकों से बात करते हुए, सुश्री सविता ने समयबद्ध तरीके से उद्योगों के लिए आवश्यक बुनियादी ढाँचा बनाने, प्रोत्साहन प्रदान करने और विभिन्न मंज़ूरियों को सुव्यवस्थित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

- **पंजाब में किसानों का कपास से मोहभंग, धान की खेती की ओर बढ़ी रुचि, रकबा घटकर हुआ तीन गुना कम**
  चालू सीजन में किसानों को सबसे अधिक आमदनी देने वाली कपास की फसल का रकबा पंजाब में घटकर केवल 94,000 हेक्टेयर रह गया है। 2019 में यह रकबा 3.35 लाख हेक्टेयर था। पिछले तीन से चार सालों में किसानों को कपास की बंपर पैदावार मिली थी, और 2022 में कपास के भाव 10,000 रुपए प्रति क्विंटल से भी ऊपर चले गए थे। लेकिन इस बार कपास के रकबे में भारी गिरावट का कारण बॉलवर्म और वाइटफ्लाई जैसे कीट रहे। 2023 में गुलाबी सुंडी के प्रकोप के कारण किसानों को आधा उत्पादन भी नहीं मिल पाया, और कई किसानों के लिए तो लागत निकालना भी मुश्किल हो गया।

- **बांग्लादेश को कपड़ा और रसायन निर्यात थोड़े समय के लिए रुकने के बाद फिर से शुरू हुआ**
  बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति स्थिर होने के साथ ही गुजरात से कपड़ा और रसायन का निर्यात सामान्य होने लगा है, उद्योग विशेषज्ञों ने रिपोर्ट दी है। गुजरात के कपड़ा और रसायन उद्योगों के लिए एक प्रमुख निर्यात बाजार बांग्लादेश से सूती धागे और रंगाई रसायनों के लिए नए ऑर्डर आने शुरू हो गए हैं।

- **उज्बेकिस्तान और पोलैंड ने कपड़ा क्षेत्र में सहयोग की संभावना तलाशी**
  उज्बेकिस्तान ने हाल ही में पोलैंड के साथ देश में कपड़ा निर्यात बढ़ाने और उज्बेक उद्योगों में आधुनिक पोलिश तकनीकों के एकीकरण की संभावना तलाशने के लिए चर्चा की।

- **असमान मानसून ने खरीफ फसलों और कृषि उत्पादन को बाधित किया**
  इस वर्ष असमान मानसून वर्षा चावल, कपास, दालों और बागवानी उत्पादों जैसी प्रमुख खरीफ फसलों के उत्पादन को बाधित कर रही है। 19 अगस्त तक, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने कुल मिलाकर 7.3% अधिक वर्षा लाई है, लेकिन इसका वितरण असमान बना हुआ है, भारत के 725 जिलों में से 30% में वर्षा की कमी और लगभग 10% में बहुत अधिक वर्षा देखी गई है।

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया

इस सप्ताह, रुई बाजार में बढ़त वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब, हरियाणा और अपर राजस्थान राज्य में 50-75 रुपए प्रति मंड तक की बढ़त दर्ज की गई।

सेंट्रल झोन के गुजरात, मध्यप्रदेश राज्य, महाराष्ट्र राज्य में 400 -800 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखि गई।

साउथ झोन के ओड़िशा, कर्णाटक,आँध्रप्रदेश और तेलंगाना राज्य में 300-1000 रुपए प्रति कैंडी तक बढ़त नज़र आयी।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 24.08.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	19.08.2024		24.08.2024		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,650	5,675	5,715	5,725	50
HARYANA	27.5/28	5,550	5,550	5,625	5,625	75
UPPER RAJASTHAN	28	5,350	5,650	5,400	5,725	75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,300	56,900	55,800	57,300	400
MADHYA PRADESH	29	56,800	57,200	57,700	58,000	800
MAHARASHTRA	29+ vid.	56,500	57,200	57,000	58,000	800
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	57,500	57,600	57,800	57,900	300
KARNATAKA	29.5+	56,800	57,000	57,200	57,800	800
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	56,000	56,500	57,000	57,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,500	58,000	58,000	58,500	500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 24 August 2024 | Volume - 112

The challenging future of cotton and the reality of the shift to polyester fibre, in an exclusive interview with Mr. Nandkishore Lahoti, a cotton ginner in Warangal, Andhra Pradesh:

GOLD :71770
SILVER : 85175
CRUDE OIL : 6288

The challenging future of cotton and the reality of the shift to polyester fibre, in an exclusive interview with Mr. Nandkishore Lahoti, a cotton ginner in Warangal, Andhra Pradesh

Nandkishore Lahoti
Ginner

Veteran ginner from Warangal, Andhra Pradesh, Mr. Nandkishore Lahoti, who has been operating cotton ginning for the last 35 years, recently shared his insights on cotton productivity and market challenges. He informed that in the 2023-24 season, 90% of the cotton in Warangal had to be sold to CCI, while the war between Ukraine and Russia also created difficulties in exports.

Lahoti expressed concern that the increase in Minimum Support Price (MSP) by the government will not benefit farmers much unless adequate attention is paid to food, seed, and water resources. He stressed that there is a need for cotton seed research, which can improve the yield and quality of cotton.

Citing the example of countries like the US and China, he said that the productivity of cotton per acre is 20-25 quintals, while in India it is limited to 7-8 quintals, which is very low. If adequate tests are not conducted on cotton seeds, the future of cotton will be full of difficulties.

Regarding the increasing inclination towards polyester fiber, he said that the demand for polyester is increasing in the fashion and textile industry due to cost reduction, high durability, and greater availability. This change can bring serious challenges for cotton farmers and the textile industry. He said that the reduction in demand for cotton can have a negative impact on the economic condition of farmers, while the textile industry may also need to change its production processes.

Finally, Lahoti ji emphasized the need to develop innovative technologies and make cotton production more efficient and environmentally friendly as a solution.

Reasons for shift from cotton to polyester:
Cost reduction: Polyester fiber is cheaper than cotton, due to which its demand is increasing in the fashion and textile industry.

Higher durability: Polyester fibre is more durable and lasts longer. Also, it remains wrinkle-free and dries quickly.

Availability: Cotton cultivation requires weather, land, and water, while polyester is produced synthetically, making its availability more stable.

Environmental impact: Although polyester fibre production has a higher carbon footprint, cotton cultivation also uses a lot of water and pesticides. In some cases, consumers are choosing polyester over cotton, especially when it is produced through recycling.

Describing the shift from cotton to polyester as a complex process, he stressed the need to understand the social, economic, and environmental aspects of this change.

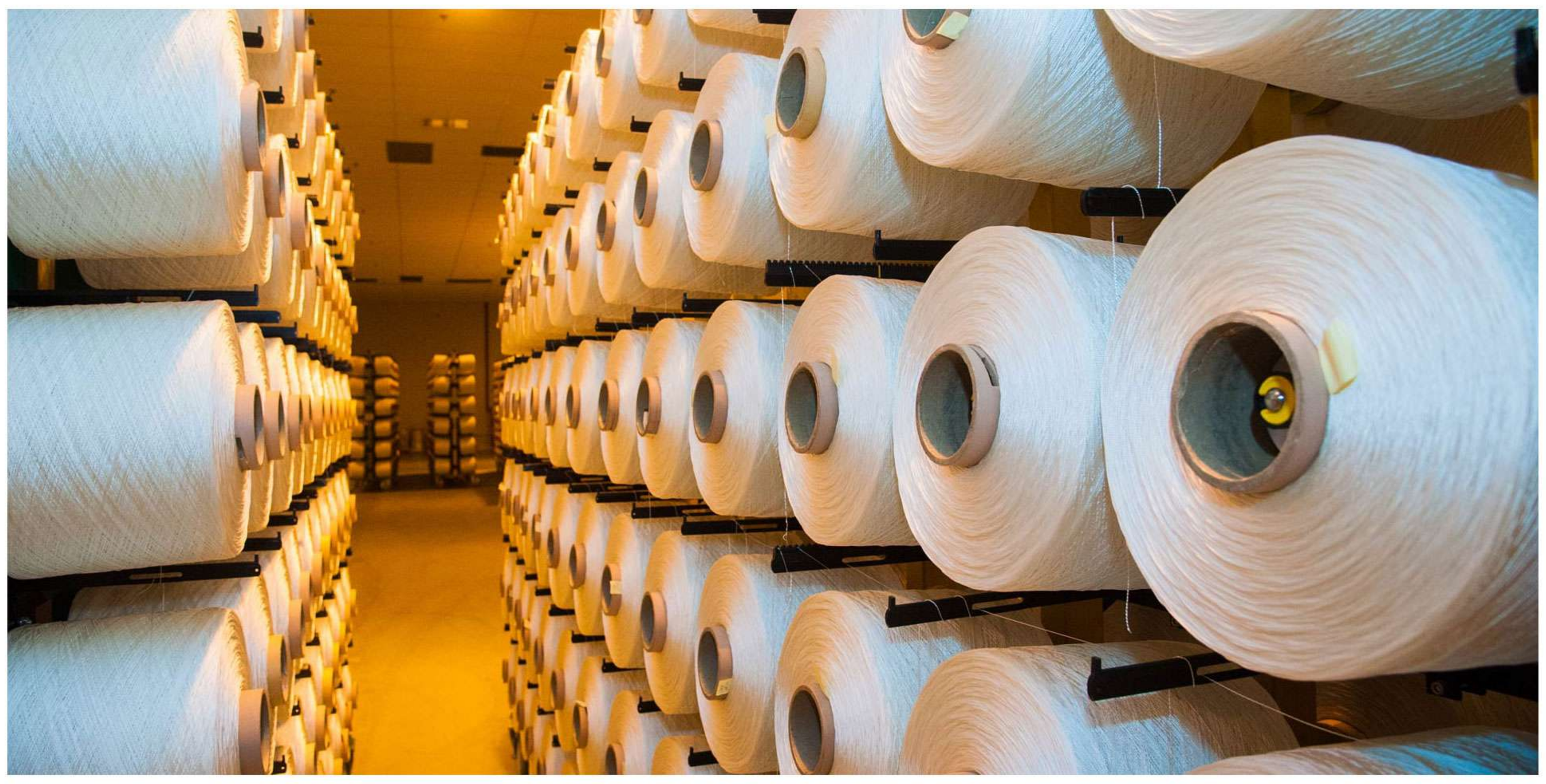

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771 WEEKLY CHART 24.08.2024			
ICE COTTON			
MONTH	16.08.24	23.08.24	WEEKLY CHANGE
DEC	67.24	70.91	3.67
MAR'25	68.74	72.28	3.54
MAY	69.99	73.38	3.39
MCX (COTTON)			
SEP	56850	57700	850
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1590	1597	7
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEPT	3274	3345	71
DEC	2986	2919	-67
SMART INFO SERVICE		CALL : 91116 77771	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.94	83.89	-0.05
PAK (Pakistani Rupee)	278.133	278.61	0.477
CNY (Chinese yuan)	7.16437	7.12448	-0.03989
BRAZIL (Real)	5.47339	5.48617	0.01278
AUSTRALIAN Dollar	1.49927	1.47209	-0.02718
MALAYSIAN RINGGITS	4.40378	4.37589	-0.02789
COTLOOK "A" INDEX	78.45	80.75	2.3
BRAZIL COTTON INDEX	73.3	72.48	-0.82
USDA SPOT RATE	59.96	64.90	4.94
MCX SPOT RATE	56680	57180	500
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17500	17800	300
GOLD ($)	2537.80	2546.30	8.5
SILVER ($)	28.849	29.820	0.971
CRUDE ($)	76.65	74.83	-1.82

This week, the international market witnessed a mixed trend.

Intercontinental Cotton Exchange prices rose by 3.67 cents in December, 3.54 cents in March and 3.39 cents in May.

Cotton prices on the Indian market MCX saw a rise of Rs 850 in the month of September.

The price of cotton on NCDEX rose by Rs 7 per 20 kg, while the price of oil cake saw a rise of Rs 71 in the month of September and a fall of Rs 67 per quintal in the month of December.

If we look at the cotton market of other countries, the Cotlook "A" index saw an increase, USDA spot rate increased by 4.94 cents, while the MCX spot rate saw an increase of Rs 500 per candy.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91116 77771						
STATE	19.08.24	20.08.24	21.08.24	22.08.24	23.08.24	24.08.24
PUNJAB	-	-	-	-	-	-
HARYANA	50	50	50	-	-	-
UPPER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
LOWER RAJASTHAN	-	-	-	-	-	-
NORTH ZONE	50	50	50	-	-	-
GUJRAT	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	-
MADHYA PRADESH	-	-	-	-	-	-
MAHARASHTRA	3,000	3,000	2,800	2,500	2,300	2,300
CENTRAL ZONE	5,000	5,000	4,800	4,500	4,300	2,300
KARNATAKA	1,200	2,000	1,400	1,600	1,200	1,500
ANDHRA PRADESH	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000	1,000
TELANGANA	100	100	100	100	100	100
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	2,300	3,100	2,500	2,700	2,300	2,600
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	7,350	8,150	7,350	7,200	6,600	4,900
ARRIVAL IN 170 Kg.						

red eco®
FIBERS PVT.LTD.
+91 9879577099
sales@redecofibers.com

Murlidhar World Trade Pvt Ltd
Group of Companies
red eco FIBERS PVT.LTD.
Angel Fibers Limited
HARIPRIYA SPINNING MILL PVT. LTD.
Rajkot, Gujarat (Bharat)

Cotton Procurement in Haryana to Begin on October 1 Amid Record CCI Sales This Week

Cotton procurement for the Kharif Marketing Season 2024-25 in Haryana is set to commence on October 1, 2024. The procurement will be carried out at the Minimum Support Price (MSP) through the Cotton Corporation of India (CCI), following the guidelines of the Government of India. This comes in a week where CCI recorded exceptionally high sales, signaling strong market activity just ahead of the new procurement season.

A review meeting, chaired by the Additional Chief Secretary of the Agriculture and Farmers Welfare Department, Raja Sekhar Vundru, was held to finalize the preparations for the upcoming procurement. Dr. Vundru emphasized the need to extend full support to the Cotton Corporation of India during the process. He assured that both the CCI and the Haryana Government are fully prepared to ensure that farmers can sell their crops without any issues.

20 Mandis and Procurement Centers Established for Cotton

The meeting also outlined that Haryana produces two varieties of cotton: Medium Long Staple (26.5-27.0 mm) and Long Staple (27.5-28.5 mm), both of which will be procured. To streamline this process, 20 mandis and procurement centers have been established across the state. These centers are located in the following districts: Siwani, Dhigawa, and Bhiwani (Bhiwani District); Charkhi Dadri (Charkhi Dadri District); Bhattu, Bhuna, and Fatehabad (Fatehabad District); Adampur, Barwala, Hansi, Hisar, and Uklana (Hisar District); Uchana (Jind District); Kalayat (Kaithal District); Narnaul (Mahendragarh District); Meham (Rohtak District); and Ellenabad, Kalanwali, and Sirsa (Sirsa District).

Procurement of Other Crops at MSP

The meeting also addressed the procurement of other crops at MSP. The Haryana Government has designated HAFED as the primary agency responsible for procuring soybean, maize, and sorghum, with 100% of these crops being managed by HAFED. For other crops, procurement will be conducted in a 60:40 ratio between HAFED and other designated agencies.

Key officials, including the Director of the Agriculture Department, Sh. Rajnarayan Kaushik, and the Director of the Food, Civil Supplies, and Consumer Affairs Department, Sh. Mukul Kumar, attended the meeting, along with other officers. Representatives from the Cotton Corporation of India also participated via video conferencing.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Minister S. Savita said that Andhra Pradesh government will soon introduce advanced textile policy

Andhra Pradesh Backward Classes Welfare and Handloom and Textiles Minister S. Savita announced that the State government will soon introduce a new textile policy aimed at promoting textile, apparel and garment industries. Speaking to investors through video conferencing from the Secretariat on Monday, Ms. Savita stressed the government's commitment to create the necessary infrastructure for industries in a timely manner, provide incentives and streamline various clearances.

Farmers in Punjab disillusioned with cotton, interest increased towards paddy cultivation, acreage reduced by three times

In the current season, the acreage of cotton crop, which gives the highest income to the farmers, has come down to only 94,000 hectares in Punjab. In 2019, this area was 3.35 lakh hectares. Farmers had received bumper cotton harvests in the last three to four years, and cotton prices had gone above Rs 10,000 per quintal in 2022. But this time, pests such as bollworm and whitefly were the reason for a sharp decline in cotton acreage. Due to the pink bollworm infestation in 2023, farmers were not able to get even half the production, and it became difficult for many farmers to even recover the cost.

Textile and chemical exports to Bangladesh resume after a brief halt

With the political situation stabilising in Bangladesh, textile and chemical exports from Gujarat have started returning to normal, industry experts report. New orders for cotton yarn and dyeing chemicals have started coming from Bangladesh, a major export market for Gujarat's textile and chemical industries.

Uzbekistan and Poland explore cooperation in textile sector

Uzbekistan recently held discussions with Poland to increase textile exports in the country and explore the possibility of integration of modern Polish technologies in Uzbek industries.

Uneven monsoon disrupts Kharif crops and agricultural production

Uneven monsoon rainfall this year is disrupting the production of major Kharif crops like rice, cotton, pulses and horticultural products. As of August 19, the southwest monsoon has brought 7.3% more rainfall overall, but its distribution remains uneven, with 30% of India's 725 districts experiencing rainfall deficiency and about 10% experiencing too much rainfall.

This week, the cotton market witnessed a bullish environment.

This week, cotton market witnessed bullish trend.

North Zone states of Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a rise of Rs.50-75 per candy.

Central Zone states of Gujarat, Madhya Pradesh, Maharashtra witnessed a rise of Rs.400-800 per candy.

South Zone states of Odisha, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana witnessed a rise of Rs.300-1000 per candy.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91116 77771

DATE: 24.08.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	19.08.2024 LOW	19.08.2024 HIGH	24.08.2024 LOW	24.08.2024 HIGH	CHANGE
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,650	5,675	5,715	5,725	50
HARYANA	27.5/28	5,550	5,550	5,625	5,625	75
UPPER RAJASTHAN	28	5,350	5,650	5,400	5,725	75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	55,300	56,900	55,800	57,300	400
MADHYA PRADESH	29	56,800	57,200	57,700	58,000	800
MAHARASHTRA	29+ vid.	56,500	57,200	57,000	58,000	800
SMART INFO SERVICES CALL : 91116 77771						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	57,500	57,600	57,800	57,900	300
KARNATAKA	29.5+	56,800	57,000	57,200	57,800	800
ANDHRA PRADESH	29 mic 4+	56,000	56,500	57,000	57,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,500	58,000	58,000	58,500	500

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy